बायफ डेवलपमेन्ट रिसर्च फाउन्डेशन,उदयपुर

परियोजना पूर्ण रिपोर्ट

पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम

राजस्था रूरल इनस्टीटयुट ओफ डेवलपमेन्ट मेनेजमेन्ट,
बायफ भवन, हिरण मंगरी,सेक्टर –14,उदयपुर. फोन/फेक्स–294.2640133

2014.15

बायफ संस्था की स्थापना वर्ष 24 अगसत 1967 मे उरूली कांचन जिले पूने महाराष्ट मे स्वर्गीय डॉ.मणीभाई देसाई द्वारा की गई थी। वर्तमान में बायफ संस्था भारत देश के 16 राज्यों में ग्रामीण समुदाय की आजिवीका सृदढ करने का कार्य पशु नस्ल सुघार, उधानिकी,जल ग्रहण,सामुदायिक चरागाह विकास,महिला विकास,बकरी विकास एंव कृषि उत्पाद विपणन द्वारा किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य भौगोलिक द्रष्टि से देश का सब से बडा. राज्य है । यहा के लोंगो का मुख्य व्यवसाय कृषि है। बारिश की अनिच्चीतता चलते हर तीसरे वर्ष अकाल की परिस्थिीती निर्माण होने से कृषि के साथ सहायक व्यवसाय के रूप मे पशुपालन का व्यवसाय आजीविका के लिये उभरकर आया हे। वर्ष 1978 मे राज्य सरकार के कृषि एंव सहकारी मंत्री श्री देवेन्द्र सिंह बडलियास ने महाराष्ट्र मे सहकारीता का कार्य देखने हेतू भ्रमण किया था उस समय बायफ संस्था द्वारा महाराष्ट्र राज्य मे पशुपालन मे नस्ल सुधार से किसानो की आजिनीका निर्माण हेतू किया गया कार्य देखा। उन्होंने बायफ संस्था को राजस्थान मे काय्र करने हेतू आंमत्रित किया।

बायफ संस्था ने 1979 नंवम्बर मे राजस्थान सरकार के आमंत्रण को स्वीकार करते हुये राजस्थान डेयरी कोओपरेटीव के सौजन्य से भीलवाडा व कोटा जिले में 8 पशुनस्ल सुघार केन्द्र पांरभ किये। पशुनस्ल सुघार के अच्छे परिणाम को देखते हुये राज्य सरकार ने बायफ के कार्यक्रम को आई.आर.डी.पी./एस.जी.एस.वाय योजना अंतर्गत इस कार्यक्रम को चलाने हेतू अनुबन्ध किया ।अभी बायफ संस्था द्वारा राजस्थान के 19 जिले में किसानो की आय वृद्वि हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे है ।

- पशु नस्ल सुघार कार्यक्रम
- जल ग्रहण कार्यक्रम
- जन जाति परिवारों मे उधानिकी परियोजना जनजाति विकास विभाग एंव नाबार्ड के वितीय सहयोग से
- चरागाह विकास काय्रक्रम
- बकरी विकास कार्यक्रम
- मरूभुमि विकास कार्यक्रम
- महिला विकास कार्यक्रम

सिरोही जिले में बायफ संस्था द्वारा जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, जिला परिषद के वितीय सहयोग से 10 गोपाल केन्द्र संचालित किये जा रहे थे। जिसका परियोजना पूर्ण रिपोर्ट आपकी और पेषित की जा रही है ।

परियोजना का नाम :–पशु नस्ल सुघार काय्रक्रम

परियोजना में वितीय सहयोग संस्था का नामः– जिला ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ, जिला परिषद,सिरोही

परियोजना अवधि :– 1.06.2009 से 31.05.2014

- **<u>परियोजना में उल्लेखित गतिविधिर्या :–</u>**
- गाय/भैंसो मे कृत्रिम गर्भाघान से नस्ल सुघार
- गर्भ परीक्षण
- वत्स उत्पादन रिपोर्ट लेना
- पशु प्रंबघन के लिये सलाहकारी रोल
- बदियाकरण कार्यक्रम

- गाय/भैंसो मे कृत्रिम गर्भाघान :–उक्त केन्द्रों द्वारा केन्द्र मुख्यालय से 8 किलोमीटर के परीधि क्षेत्र में आनेवाले गॉवो में पशुपालकों को अपने गायों/भेंसो के लिए कृत्रिम गर्भाधान की सेवा बायफ संस्था व जिला परिषद सिरोही के मध्य किये गये अनुबंध में निर्धारित तय की गई राशी लेकर घर पहुंच दी जाती है। कत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं का तीन माह बाद गर्भ परीक्षण नि :शुल्क किया जाता है, एवं ग्याभन दर्शाये गये

पशु ब्याने पर वत्स उत्पादन रिपोर्ट ली जाती है । साथ में समय – समय पर किसानों को पशु प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाता है। गायों में नस्ल सुधार हेतु एच.एफ., जर्सी,थरपारकर तथा भैंसों में मुराह प्रजाति का वीर्य उपयोग में लिया जाता है।

गोपाल केन्द्रो के बारे मे जानकारी :– गोपाल केन्द्र जोयला, सोनेला, मारोल, पीथापुर एम, शिवेरा, वेराजेतपुरा, गोडाना, नरादरा, नागाणी. उक्त केन्द्रो की अवधि 5 वर्ष की रहती है । जिला परिषद से प्रति केन्द्र हेतु स्थायी राशि 108000/– एवं संचालन राशि प्रथम वर्ष हेतु 39560/– प्रति वर्ष एक केन्द्र की राशि भुगतान की जाती है । एवं अन्य 5 वर्ष के लिये 5 प्रतिशत वृद्धि दर से भुगतान किया जाता है उक्त केन्द्रों पर कार्य करने हेतु इच्छुक स्थानिय बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करते हुये रिडमा संस्था के द्वारा गोपाल कार्य कार्यकर्त्ता के रूप में नियुक्त किये जाते है। उनके द्वारा केन्द्र मुख्यालय से 8 किलोमीटर के परीधि क्षेत्र में आनेवाले गॉवो में पशुपालकों को अपने गायों/भेंसो के लिए कृत्रिम गर्भाधान की सेवा बायफ संस्था व जिला परिषद सिरोही के मध्य किये गये अनुबंध में निर्धारित तय की गई राशी लेकर घर पहुंच दी जाती है। कत्रिम गर्भाधान किये गये पशुओं का तीन माह बाद गर्भ परीक्षण किया जाता है, एवं ग्याभन दर्शाये गये पशु ब्याने पर वत्स उत्पादन रिपोर्ट ली जाती है । साथ में समय – समय पर किसानों को पशु प्रबंधन पर मार्गदर्शन दिया जाता है। गायों में नस्ल सुधार हेतु एच.एफ., जर्सी एवं तथा भैंसों में मुराह प्रजाति का वीर्य उपयोग में लिया जाता है।

क्रमॉक	केन्द्र का नाम	केन्द्र प्रभारी का नाम	केन्द्र का पता	मोबाईल न0
1	सोनेला	श्री सतारखॉ मुसला	बायफ गोपाल केन्द, सोनेला मु.पो. सोनेला तहसील– रेवदर जिला–सिरोही	9610586122
2	मारोल	श्री सोनाराम मेघवाल	बायफ गोपाल केन्द, मारोल मु.पो. मारोल तहसील– रेवदर जिला–सिरोही	9983049456
3	पीथापुर एम	श्री मन्नाराम चौघरी	बायफ गोपाल केन्द, पीथापुर एम तहसील– रेवदर जिला–सिरोही	9672685404
4	जेतावाडा	श्री प्रकाश चौधरी	बायफ गोपाल केन्द, जेतावाडा तहसील– रेवदर जिला–सिरोही	9587283811
5	वेराजेतपुरा	श्री भेरूलाल मीणा	बायफ गोपाल केन्द, वेरा जेतवुरा तहसील– शिवगंज जिला–सिरोही	9983717699
6	गोडाना	श्री नरेन्द्रसिंह राजपूत	बायफ गोपाल केन्द, गोडाना तहसील– शिवगंज	9610585709

			जिला–सिरोही	
7	नरादरा	श्री कुईयाराम मेधववाल	बायफ गोपाल केन्द, नरादरा तहसील– शिवगंज जिला–सिरोही	9950724067
8	नागाणी	श्री प्रताप सिंह	बायफ गोपाल केन्द, नागाणी तहसील– रेवदर	9001722917
9	गुलाबगंज	ताराराम सौलंकी	बायफ गोपाल केन्द, गुलाबगंज तहसील– रेवदर	9784506810
10	गोयली	गोपाल सिंह राठौड	बायफ गोपाल केन्द, गोयली तहसील– सिरोही	9001922909
11	सिन्दरथ	गोकुल राम मेघवाल	बायफ गोपाल केन्द, सिन्दरथ तहसील– सिरोही	8058938433

<u>परियोजना के दौरान संपादित गतिविधियों की प्रगति</u> :–केन्द्रो की स्थापना दिनांक 01.06.2009 से की गई थी। वर्षवार प्रगति निम्मन प्रकार है ।

क्रमांक	वर्ष	कृत्रिम गर्भाधान लक्ष्य	कृत्रिम गर्भाधान उपलब्धी	सफल गर्भाधान	वत्स उत्पादन नर	वत्स उत्पादन मादा
1	01.06.2009 से 31.05. 2010	1000	2896 (378)	1448 (170)	591	567
2	01.06.2010 से 31.05. 2011	1250	4155 (413)	2077 (186)	874	788
3	01.06.2011 से 31.05. 2012	1700	7111(668)	3555 (301)	1451	1393
4	01.06.2012 से 31.05. 2013	2750	9069 (1026)	4535(462)	1850	1778
5	01.06.2009 से 31.05. 2010	2400	11523 (2008)	5761 (904)	2351	2258
	कुल	9100	34754 (4493)	17377(2021)	7117	6784
			प्रति ए.आय. कोस्ट रू.100.50	प्रति सफल गर्भाधान कोस्ट रू.210.00	प्रति वत्स कोस्ट रू.251.27	प्रति मादा कोस्ट रू.515.00

परियोजना से लाभान्वित परिवारः–इस कार्यक्रम के द्वारा कुल 12163 परिवारो को लाभान्वीत किया गया है । केन्द्र द्वारा पैदा हुये मादा वत्स प्रथम 2 वर्ष मे पैदा हुये मादा वत्स मे से 527 मादा दुग्ध उत्पादन मे आ गई है ।जिस के द्वारा प्रतिदिन 4220 लिटर दुग्ध प्राप्त हो रहा है । प्रतिदिन 105520 रू. की आय परिवारो में हो रही है । एंव 4886 मादा ऐसेट के रूप मे किसानो के पास है जिस की एवरेज 4000 प्रति मादा दर से 19500000.00 (एक करोड पच्यानबे लाख) संपति किसान परिवारो मे तैयार हुई है जो भविष्य मे करीब जिले के 3500 परिवारो मे स्थायी आय का साघन बनेगा।

परियोजना का क्षैत्र :–केन्द्रो का कार्य क्षैत्र सिरोही जिले निम्मन पंचायत समिती के गॉव थे जिसकी जानकारी निम्मन टेबल मे दी गई है ।

क्रमांक	केन्द्र का नाम	पंचायत समिती का नाम
1	सोनेला	रेवदर
2	मारोल	रेवदर
3	पीथापुर एम	रेवदर
4	जेतावाडा	रेवदर
5	वेराजेतपुरा	शिवगंज
6	गोडाना	शिवगंज
7	नरादरा	शिवगंज
8	नागाणी	रेवदर
9	गुलाबगंज	रेवदर
10	गोयली	सिरोही
11	सिवेरा	पीन्डवाडा
12	चनार	आबुरोड

परियोजना का स्थायीत्वः– किसानो के यहा पेदा हुये उन्नत नस्ल के पशुओ को ग्याभिन करने हेतु नस्ल सुधार कार्य कैसे चालू रखा जायेगा । इस के लिये केन्द पर कार्य करने हेतू स्थानीय युवाओ का चयन किया गया है उनको केन्द्र प्रांरभ करने से पूर्व 4 माह का प्रशिक्षण दिया गया है । परियोजना पूर्ण होने पर संस्था द्वारा गोपालो को तरल नत्रजन एंव सीमेन की आपूर्ती निर्घारीत दर पर सशुल्क उपलब्ध करायी जायेगी जिस से गोपालो को स्थायी रोजगार प्राप्त होंगा व किसानो को अपने पशुओं को अच्छी गुणवता वाले वीर्य से ग्याभिन कराने की सुविघा धर पहुच उपलब्ध होगी।

हम जिला परिषद सिरोही का आभार व्यक्त करते है कि जिन्होने हमारी संस्था को वितीय सहयोग प्रदान करके किसान भाइयों की आजीविका उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान किया।

धन्यवाद

वितीय विवरण

क्रंमांक	वर्ष	आंवटित राशी रू. प्रति केन्द्र	कुल राशी रू.	राशी समायोजना
1	संस्थापन राशी	108000	1080000	दि.310.03.2009 यू.सी.नं.109
2	प्रथम वर्ष संचालन राशी	39560	395600	दि.31.05.2010 यू.सी.नं.112
3	द्वितीय वर्ष की संचालन राशी	40316	403160	दि.31.05.2011 यू.सी.नं.113
4	संस्थापन राशी 2 गोपाल केन्द्र	108000	216000	दि.31.08.2011 यू.सी.नं.114
5	तृतीय वर्ष की संचालन राशी व 2 केन्द्र की प्रथम वर्ष की संचालन राशी	41049	492594	दि.31.07.2012 यू.सी.नं.117
5	चतुर्थ वर्ष की संचालन राशी 9 केन्द्र	45682	411138	दि.30.06.2013 यू.सी.नं.119
6	पाँचवे वर्ष की संचालन राशी 9 केन्द्र व 1 केन्द्र की तृतीय वर्ष की राशी	49450	494497	दि.23.02.2015 यू.सी. नं. 120
			3492989	